पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने खेल विभाग तथा युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग के कार्यों की समीक्षा की

प्रदेश में तेजी से स्पोटर्स इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास हो रहा, इसके तहत खेल विभाग द्वारा प्रदेश में स्टेट स्पोट्र्स यूनिवर्सिटी, स्पोटर्स कॉलेज, स्पोट्र्स स्टेडियम का निर्माण कराया जा रहा : मुख्यमंत्री

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर फोकस किया जाए, निर्माणाधीन कार्य समय से पूरे हों, इसके लिए समय–समय पर मॉनीटरिंग की जाए

इन निर्माण कार्यों की हर माह मंत्री स्तर, हर 15 दिनों पर प्रमुख सचिव स्तर और साप्ताहिक स्तर पर उच्च अधिकारियों द्वारा समीक्षा की जाए

मण्डल स्तर पर स्पोट्र्स कॉलेज की स्थापना प्रक्रिया तेज की जाए

प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक मिनी स्टेडियम की स्थापना की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के निर्देश

ग्राम पंचायत, विकासखण्ड, जनपद, मण्डल स्तर और राज्य स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं को आयोजित किया जाए

पी0आर0डी0 स्वयंसेवकों और मंगल दलों के सदस्यों को आपदा प्रबन्धन प्रशिक्षण देकर आपदा मित्र की जिम्मेदारी दी जाए

पी0आर0डी0 जवानों को ट्रैफिक मैनेजमेण्ट की ट्रेनिंग दी जाए, इनका यातायात नियंत्रण में सहयोग लिया जाए, मंगल दल को वितरित होने वाली स्पोट्र्स किट की मॉनीटरिंग की जाए

लखनऊ : 22 मई, 2025

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में खेल विभाग तथा युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में तेजी से स्पोटर्स इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास हो रहा है। इसके तहत खेल विभाग द्वारा प्रदेश में स्टेट स्पोट्र्स यूनिवर्सिटी, स्पोटर्स कॉलेज, स्पोट्र्स स्टेडियम का निर्माण कराया जा रहा है। इनकी गुणवत्ता पर फोकस किया जाए। साथ ही, सारे निर्माणाधीन कार्य समय से पूरे हों, इसके लिए समय–समय पर मॉनीटरिंग की जाए। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि इन निर्माण कार्यों की हर माह मंत्री स्तर, हर 15 दिनों पर प्रमुख सचिव स्तर और साप्ताहिक स्तर पर उच्च अधिकारियों द्वारा समीक्षा की जाए, ताकि सभी निर्माण कार्य

समय से पूरे हो सकें। उन्होंने कहा कि समीक्षा के दौरान कार्यदायी संस्था द्वारा लापरवाही सामने आने पर उनकी जवाबदेही तय की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मण्डल स्तर पर स्पोर्ट्स कॉलेज की स्थापना की प्रक्रिया तेज की जाए। इस पर अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में तीन मण्डलों में स्पोर्ट्स कॉलेज संचालित हैं, जबकि तीन मण्डल में निर्माण कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। उन्होंने अधिकारियों को शेष 12 मण्डलों में भी स्पोर्ट्स कॉलेज की स्थापना की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन सभी स्पोर्ट्स कॉलेज को सेण्टर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में तैयार किया जाए। इन्हें स्पोटर्स यूनिवर्सिटी से जोड़ा जाए, ताकि यहां खिलाड़ियों को इण्टरनेशनल सुविधा मिल सके। उन्होंने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक मिनी स्टेडियम की स्थापना की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी हो, ताकि प्रदेश में अच्छे नये खिलाड़ी तैयार हो सकें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रदेश में खेल संस्कृति को बढ़ावा दिया जाए। खेलों के विकास के लिए राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए। खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सभी खेल प्रतियोगिताओं को इण्टीग्रेट करते हुए सांसद–विधायक खेल प्रतियोगिता से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत, विकासखण्ड, जनपद, मण्डल स्तर और राज्य स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं को आयोजित किया जाए, ताकि छिपी हुई खेल प्रतिभाओं की स्क्रीनिंग कर उन्हें राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय खेलों के लिए तैयार किया जा सके।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रत्येक जिले में हर आयु वर्ग के लिए खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाए। वहीं लखनऊ के गुरु गोबिंद सिंह स्पोटर्स कॉलेज में बनने वाले स्पोर्ट्स इंजरी मैनेजमेण्ट सेण्टर में एस0जी0पी0जी0आई0 या के0जी0एम0यू0 का सहयोग लिया जाए। इसके अलावा, खेल विभाग के विभिन्न रिक्त पदों पर जल्द से जल्द भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पी0आर0डी0 स्वयंसेवकों और मंगल दलों के सदस्यों को आपदा प्रबन्धन प्रशिक्षण देकर आपदा मित्र की भी जिम्मेदारी दी जाए। साथ ही, पी0आर0डी0 जवानों को ट्रैफिक मैनेजमेण्ट की ट्रेनिंग दी जाए। इनका यातायात नियंत्रण में सहयोग लिया जाए। मंगल दल को वितरित होने वाली स्पोर्ट्स किट की मॉनीटरिंग की जाए। इसके अलावा, मंगल दल को भी सांसद–विधायक खेल प्रतियोगिता से जोड़ा जाए। युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग से सम्बन्धित सभी निर्माणाधीन कार्यों को भी समय से पूरा किया जाए।

————————